2021

(Held in 2022)

HINDI

(MIL Communication)

Paper : HIN–AE–1014

(हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'ए' ह्रस्व स्वर है या दीर्घ स्वर?

(ख) हिन्दी के किसी एक अंतःस्थ व्यंजन का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'मालिन' शब्द में कौन-सा स्त्री-प्रत्यय जुड़ा हुआ है?

(घ) 'प्रत्युपकार' शब्द में आए उपसर्ग और मूल शब्द को अलग कीजिए।

(ङ) 'सतसई' शब्द किस समास के माध्यम से बना है?

(च) "जिसके हृदय में दया नहीं है।" इस वाक्यांश के लिए एक शब्द दीजिए।

(छ) 'आविर्भाव' का विलोम शब्द क्या है?

(ज) "इस समय मोहन की आयु चौदह वर्ष की है।" इस वाक्य को शुद्ध कीजिए।

(झ) 'अनुकुल' वर्तनी सही है या 'अनुकूल'?

(ञ) 'आस्तीन का साँप' मुहावरे का अर्थ क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) एक उदाहरण सहित संज्ञा शब्द की परिभाषा दीजिए।

(ख) विशेषण का कार्य क्या है? सोदाहरण बताइए।

(ग) उपसर्ग का आशय बताइए।

(घ) 'समास' की परिभाषा दीजिए।

(ङ) 'सम्प्रेषण' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) स्पर्श व्यंजन किसे कहते हैं? हिन्दी की स्पर्श व्यंजन-ध्वनियों का उल्लेख कीजिए।

(ख) सर्वनाम क्या है? हिन्दी में व्यवहृत होने वाले सर्वनामों के प्रकार बताइए।

(ग) बहुव्रीहि और कर्मधारय समास के अंतर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'सम्प्रेषण' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर बताइए।

(च) 'क्रिया' किसे कहते हैं? वाक्य में क्रिया का महत्त्व क्या है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) अव्यय की परिभाषा देते हुए हिन्दी में प्रयुक्त होने वाले अलग-अलग अव्ययों के प्रकारों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ख) पर्यायवाची शब्द का आशय स्पष्ट करते हुए 'आकाश', 'कमल', 'इच्छा', 'कपड़ा', 'गंगा', 'चंद्र', 'जल' और 'पृथ्वी' शब्दों के लिए तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(ग) हिन्दी में व्यवहृत होने वाले कारक-चिह्नों का उल्लेख करते हुए 'मैं' और 'आप' सर्वनामों तथा 'लड़का' और 'नदी' संज्ञा-शब्दों की कारकीय रूप-रचना प्रस्तुत कीजिए।

(घ) सम्प्रेषण के अलग-अलग प्रकारों पर सम्यक् चर्चा कीजिए।

(ङ) शुद्ध वाक्य-प्रयोग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

(i) बैल और भैंस एक ही तालाब में पानी पीती हैं।

(ii) बाहर एक आदमी और तीन औरतें खड़े हैं।

(iii) उसने मुझे दूध और रोटी खिलाये थे।

(iv) प्रत्येक व्यक्ति जीना चाहते हैं।

(v) पहले कलकत्ता भारत की राजधानी थी।

(vi) मैं नृत्य की कसरत कर रहा हूँ।

(vii) आपका पत्र धन्यवाद-सहित मिला।

(viii) मेरा नाम श्री अमरेन्द्र तिवारीजी है।

(ix) गुरुजी का दर्शन हुआ।

(च) निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(i) अंधों में काना राजा

(ii) अधजल गगरी छलकत जाय

(iii) आम के आम गुठलियों के दाम

(iv) ऊँची दूकान फीके पकवान

(v) होनहार बिरवान के होत चीकने पात।

(छ) पल्लवन के सामान्य नियमों का उल्लेख करते हुए निम्नलिखित कथन का पल्लवन कीजिए :

"जो स्त्री देश को तेजस्वी, नीरोग और सुशिक्षित संतान भेंट करती है, वह भी सेवा ही करती है।"

(महात्मा गाँधी)

(ज) संक्षेपण किसे कहते हैं? संक्षेपण के सामान्य नियमों पर ध्यान रखते हुए निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :

"स्वावलम्बन अथवा आत्मनिर्भरता दोनों का वास्तविक अर्थ एक ही है—अपने सहारे रहना अर्थात् अपने-आप पर निर्भर रहना। ये दोनों शब्द स्वयं परिश्रम करके, सब प्रकार के दुख-कष्ट सहकर भी अपने पैरों पर खड़े रहने की शिक्षा और प्रेरणा देने वाले शब्द हैं। यह हमारी विजय का प्रथम सोपान है। इस पर चढ़कर हम गन्तव्यपथ पर पहुँच पाते हैं। इसके द्वारा ही हम सृष्टि के कण-कण को वश में कर लेते हैं। गाँधीजी ने भी कहा है कि वही व्यक्ति सबसे अधिक दुःखी है जो दूसरों पर निर्भर रहता है। मनुस्मृति में कहा

गया है—जो व्यक्ति बैठा है, उसका भाग्य भी बैठा है और जो व्यक्ति सोता है, उसका भाग्य भी सो जाता है, परन्तु जो व्यक्ति अपना कार्य स्वयं करता है, केवल उसी का भाग्य उसके हाथ में होता है। अतः सांसारिक दुखों से मुक्ति पाने की रामबाण दवा है—स्वावलम्बन। स्वावलम्बन हमारी जीवन-नौका की पतवार है। यही हमारा पथ-प्रदर्शक है। इसी कारण से मानव-जीवन में इसकी अत्यंत महत्ता है।"

★★★